

गाजा: डोलस स्पेशियलिस / जेनोसाइड के लिए मेन्स रीआ का सबूत

यहां तक कि इजरायल के सबसे कट्टर समर्थक अब यह नहीं नकारते कि गाजा में देश के कार्यों ने जेनोसाइड व्यवहार की सीमा को पार कर लिया है – 1948 के जेनोसाइड कन्वेंशन के अनुसार ऐक्टस रियस। पूरे परिवारों को नष्ट कर दिया गया है, जीवन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर नष्ट किया गया है, और दो मिलियन से अधिक लोगों से मूलभूत आवश्यकताओं को व्यवस्थित रूप से वंचित किया गया है। शेष प्रश्न – जो जेनोसाइड को केवल व्यापक अत्याचारों से अलग करता है – वह नीयत का प्रश्न है: क्या इजरायल ने इन कार्यों को नष्ट करने के इरादे से किया, पूरी तरह या आंशिक रूप से, गाजा में फिलिस्तीनी लोगों को एक विशेष समूह के रूप में?

जेनोसाइड कन्वेंशन यह परिभाषित नहीं करता कि इस नीयत (**डोलस स्पेशियलिस**) को कैसे साबित किया जाए। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय न्यायशास्त्र ऐसा करता है। नूर्नबर्ग ट्रायल्स से लेकर खांडा के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICTR) और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के ऐतिहासिक फैसलों तक, अदालतों ने लगातार यह माना है कि **नीयत का अनुमान लगाया जा सकता है।** मानदंडों में शामिल हैं:

- कार्यों की व्यवस्थित प्रकृति,
- सरकारी अधिकारियों के सार्वजनिक या निजी बयान, और
- पुष्टि विचारधारा, प्रचार, या उकसावे को रोकने की विफलता के माध्यम से।

यह निबंध इन मानदंडों को लागू करता है। यह दर्शाता है कि गाजा में इजरायल के कार्य जेनोसाइड की कानूनी परिभाषा को पूरा करते हैं – न केवल विनाश के दायरे के कारण, बल्कि एक निरंतर वैचारिक रेखा के माध्यम से: प्रारंभिक ज़ायोनी नेताओं से लेकर वर्तमान कैबिनेट मंत्रियों तक एक सदी की उन्मूलनवादी बयानबाजी। यह हाल का विचलन नहीं है, बल्कि एक दीर्घकालिक राजनीतिक परियोजना का चरमोत्कर्ष है।

इजरायल कम से कम चार में से पांच जेनोसाइड कन्वेंशन के अनुच्छेद II में सूचीबद्ध निषिद्ध कार्यों को पूरा करता है, और संभवतः पांचवें को भी, एक सद्व्यवनापूर्ण टेलियोलॉजिकल व्याख्या के माध्यम से। लेकिन दशकों तक विना सजा के उकसावे, सर्वोच्चतावादी विचारधारा का संस्थागत सामान्यीकरण, और विनाश की नीति का संहिताकरण – जो 2024 की केनेसेट पत्र में सबसे स्पष्ट रूप से दिखाया गया है – नीयत को निर्विवाद बनाते हैं।

जेनोसाइड का अपराध यह आवश्यक नहीं करता कि अपराधी अपने उद्देश्य की घोषणा करें – लेकिन इस मामले में, उन्होंने ऐसा किया है।

जेनोसाइड कन्वेंशन: कानूनी मानदंड और पांच निषिद्ध कार्य

अनुच्छेद II के अनुसार, जेनोसाइड कन्वेंशन में जेनोसाइड का अर्थ है:

निम्नलिखित में से कोई भी कार्य, जो किसी राष्ट्रीय, जातीय, नस्लीय या धार्मिक समूह को, इस रूप में, पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट करने के इरादे से किया गया हो:

1. समूह के सदस्यों की हत्या;
2. समूह के सदस्यों को गंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसान पहुंचाना;
3. समूह पर जानबूझकर ऐसी जीवन स्थितियां थोपना जो उसके पूर्ण या आंशिक शारीरिक विनाश के लिए बनाई गई हों;
4. समूह के भीतर जन्म को रोकने के उद्देश्य से उपाय लागू करना;

5. समूह के बच्चों को जबरन किसी अन्य समूह में स्थानांतरित करना।

गाजा में इजरायल के कार्य स्पष्ट रूप से पांच में से चार मानदंडों को बिना किसी विवाद के पूरा करते हैं और संभवतः पांचवें को टेलियोलॉजिकल व्याख्या के माध्यम से।

डोलस स्पेशियलिस का सबूत: कानूनी मिसालें और साक्ष्य के मानक

अंतरराष्ट्रीय कानून जेनोसाइड नीयत की कई रूपों को मान्यता देता है:

- **स्पष्ट:** बयान या दस्तावेज जो खुले तौर पर विनाश की नीयत की घोषणा करते हैं।
- **अनुमानित:** किसी समूह को लक्षित करने वाले व्यवस्थित कार्यों से।
- **पुष्टि:** प्रचार, विचारधारा, या उक्सावे को रोकने की विफलता के माध्यम से।

मिसालें में शामिल हैं:

- **अकायेसु (ICTR):** नीयत को संदर्भ और समन्वित कार्यों से अनुमानित किया जा सकता है।
- **क्रिस्टिक (ICTY):** सेब्रेनित्सा नरसंहार को सीमित दायरे के बावजूद जेनोसाइड के रूप में वर्गीकृत किया गया।
- **बोस्निया बनाम सर्बिया (ICJ):** राज्यों को उक्सावे को रोकने और दंडित करने की बाध्यता है; नीयत को बार-बार निष्क्रियता से अनुमानित किया जा सकता है।

इजरायल ने न केवल उक्सावे को रोकने में विफल रहा – बल्कि इसे संस्थागत बनाया और पुरस्कृत किया।

डोलस स्पेशियलिस का अनुमान ऐतिहासिक मानदंडों के खिलाफ कार्यों से

जेनोसाइड नीयत (डोलस स्पेशियलिस) को व्यवस्थित व्यवहार से अनुमानित किया जा सकता है, खासकर जब यह संरक्षित नागरिक आबादी को भारी रूप से लक्षित करता है। इजरायल का गाजा में व्यवहार, भले ही इसे अपने ही दावों के आधार पर देखा जाए, आधुनिक युद्ध में देखी गई किसी भी चीज से कहीं आगे निकल जाता है। हर क्षेत्र में – नागरिकों को निशाना बनाना, बुनियादी ढांचे का विनाश, विस्फोटकों की मात्रा, और घेराबंदी की अवधि – इजरायल के कार्य ऐतिहासिक रूप से चरम और कानूनी रूप से निंदनीय हैं।

नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना

यहां तक कि IDF की अपनी आंतरिक आकलनों के अनुसार, जो हाल ही में प्रेस में लीक हुए, गाजा में मारे गए 83% लोग नागरिक थे, और लगभग आधे बच्चे थे। यह आंकड़ा न केवल अपनी विशालता के कारण बल्कि इसलिए भी भयावह है क्योंकि यह स्वयं IDF से आता है – एक सैन्य तंत्र जो हर युद्ध-उम्र के पुरुष को “लड़ाकू” के रूप में वर्गीकृत करने और बिना सबूत के नियमित रूप से “हमास से संबंध” का दावा करने के लिए जाना जाता है। नागरिक मृत्यु का यह स्तर सभी आधुनिक संघर्षों को पीछे छोड़ देता है, जिसमें अफगानिस्तान, इराक, और सीरिया शामिल हैं, जहां नागरिक हताहतों का अनुपात काफी कम था।

जानबूझकर निशाना बनाने का एक सांख्यिकीय रूप से निर्विवाद संकेतक पत्रकारों का सामूहिक नरसंहार है। 2025 के मध्य तक, 7 अक्टूबर 2023 के बाद से गाजा में 250 से अधिक पत्रकार मारे गए हैं। यह इतिहास में दर्ज किसी भी अन्य संघर्ष से अधिक है, जिसमें विश्व युद्ध और दशकों तक चली बगावतें शामिल हैं। गाजा में पत्रकारों की मृत्यु दर प्रति वर्ष 130 से अधिक है, जबकि अधिकांश युद्धों में यह संख्या शायद ही एकल अंकों से अधिक हो। सांख्यिकीय रूप से, यह 96 से अधिक का 2-स्कोर उत्पन्न करता है, जो संयोगजनक दुर्घटनाओं को गणितीय रूप से असंभव बनाता है। इजरायल के गाजा में विदेशी प्रेस पर सामान्य प्रतिबंध के साथ मिलकर, यह दृढ़ता से संकेत देता है कि ये हत्याएं संयोगजनक नहीं, बल्कि व्यवस्थित हैं – जिनका उद्देश्य गवाहों को चुप कराना है।

नागरिक बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विनाश

गाजा आज पृथ्वी पर सबसे व्यवस्थित रूप से नष्ट किया गया शहरी वातावरण है। उपग्रह चित्र और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, मानवाधिकार संगठनों, और विश्व स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय रिपोर्ट पुष्टि करते हैं कि सभी नागरिक इमारतों का 70% से अधिक - घर, अपार्टमेंट, अस्पताल, स्कूल, मस्जिद, कृषि स्थल - नष्ट हो गए हैं या रहने योग्य नहीं रहे। केवल अस्पतालों को निशाना बनाना आधुनिक इतिहास में बिना किसी समानता के है: दर्जनों प्रमुख सुविधाओं पर बार-बार हमले हुए हैं, जिनमें अल-शिफा, अल-कुद्स, नासर, और कमाल अदवान शामिल हैं, जिनमें से कई पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं।

जल शोधन संयंत्र, मलजल उपचार केंद्र, सौर पैनल, बेकरी, और एम्बुलेंस काफिले भी व्यवस्थित रूप से निशाना बनाए गए हैं। एक ऐसे संदर्भ में जहां गाजा को महत्वपूर्ण संसाधनों के आयात की कोई संभावना नहीं है, यह विनाश केवल सामरिक नहीं है - यह जानबूझकर ऐसी जीवन स्थितियां थोपना है जो एक लोगों को, पूरी तरह या आंशिक रूप से, नष्ट करने के लिए बनाई गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक, जिनमें संयुक्त राष्ट्र, WHO, IPC, और WFP शामिल हैं, सभी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भुखमरी को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन और जेनोसाइड व्यवहार की एक विशेषता है।

विस्फोटकों की मात्रा जो सभी ऐतिहासिक मिसालों से अधिक है

अक्टूबर 2023 और 2025 के मध्य के बीच, इजरायल ने गाजा पर अनुमानित 100,000 टन विस्फोटक गिराए। यह हिरोशिमा पर गिराए गए बम की शक्ति का लगभग सात गुना है। और जबकि लंदन, ड्रेसडेन, और टोक्यो की बमबारी वर्षों तक चली या पूर्ण युद्धों के दौरान हुई, गाजा का विनाश केवल 18 महीनों में और लंदन के एक-तिहाई आकार से छोटे एक सीमित क्षेत्र में हुआ।

आधुनिक इतिहास में कभी भी इतनी घनी आबादी वाला केंद्र - और इतना अलग-थलग - इतनी भारी गोलाबारी के अधीन नहीं रहा। यहां तक कि द्वितीय विश्व युद्ध की आगजनी बमबारी के दौरान भी, इस पैमाने का विनाश एकल एनक्लेव पर नागरिकों के लिए कोई भागने की संभावना के बिना नहीं किया गया था।

आधुनिक और प्राचीन इतिहास में सबसे लंबी और सबसे पूर्ण घेराबंदी

इतिहास के दौरान, घेराबंदी में आमतौर पर जीवित रहने के लिए कम से कम एक न्यूनतम जीवन रेखा शामिल थी। नाज़ी लेनिनग्राद घेराबंदी (1941-44) के दौरान, सोवियत संघ ने लडोगा झील के माध्यम से शहर को आपूर्ति की। स्तालिनग्राद (1942-43) में, आपूर्ति और सुदृढ़ीकरण वोल्गा नदी को गोलियों की बौछार के तहत पार करते थे। यहां तक कि साराजेवो (1992-96) में, तस्करी सुरंगों और संयुक्त राष्ट्र के हवाई पुलों ने भोजन, दवाइयों, और नागरिकों के प्रवाह को सक्षम किया, भले ही कठिनाई के साथ।

इसके विपरीत, गाजा की घेराबंदी पूर्ण है। 2007 से, इजरायल ने सभी सीमाओं, हवाई क्षेत्र, और समुद्री पहुंच को नियंत्रित किया है, जिससे भोजन, ईंधन, दवाइयों, और निर्माण सामग्री के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अक्टूबर 2023 से, नाकाबंदी एक पूर्ण घेराबंदी में बढ़ गई है: कोई प्रवेश या निकास नहीं, कोई सक्रिय सीमा पारगमन नहीं, कोई हवाई गलियारा नहीं, और कोई मानवीय जीवन रेखा नहीं। यहां तक कि बेकरी, सौर पैनल, और टेंट कैंप भी जानबूझकर बमबारी किए गए हैं। मार्च 2025 में, इजरायल सरकार ने अपनी "शून्य प्रवेश" नीति को दोहराया, जिसमें विशेष रूप से भोजन और पानी शामिल हैं।

गाजा के पास आधुनिक इतिहास की सबसे लंबी निरंतर घेराबंदी (18 वर्ष) और प्रलेखित सबसे पूर्ण घेराबंदी, प्राचीन या आधुनिक, का रिकॉर्ड है। पहले कभी 23 लाख की आबादी, जिनमें से आधे बच्चे हैं, को दुनिया से अलग नहीं किया गया, लगातार बमबारी की गई, और इतने लंबे समय तक मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित किया गया।

निष्कर्ष: जीवित रहने का चमत्कार

कानूनी रूप से, एक समूह को "इस रूप में" नष्ट करने की नीयत को स्पष्ट रूप से घोषित करने की आवश्यकता नहीं है जब यह सैन्य अभियान की तर्क में इतनी स्पष्ट रूप से लिखा गया है। लेकिन गाजा में, यहां तक कि यह पर्दा भी हट गया है: व्यवहार पैटर्न से मेल खाता है, और बयानबाजी उद्देश्य की पुष्टि करती है। यह तथ्य कि गाजा में कोई भी अभी भी जीवित है,

इजरायल का बरी होना नहीं है – यह एक चमत्कार है। **कानूनी रूप से**, यह चमत्कार उस बात से ध्यान नहीं हटा सकता जो कानून पहले से ही स्पष्ट करता है: **यह जेनोसाइड है**, व्यवहार और नीयत दोनों में।

बिना सजा के उकसावे का एक सदी: कालानुक्रमिक रूप से क्रमबद्ध उद्धरण

जैसा कि अकायेसु, बोस्निया बनाम सर्बिया और अन्य अंतरराष्ट्रीय मामलों में मान्यता प्राप्त है, जेनोसाइड नीयत को अधिकारियों के सार्वजनिक और निजी बयानों से भी अनुमानित किया जा सकता है, खासकर जब इन बयानों की निंदा नहीं की जाती, बल्कि संस्थागत और पुरस्कृत किए जाते हैं। **जेनोसाइड कन्वेशन** के अनुसार, हस्ताक्षरकर्ता राज्यों को न केवल जेनोसाइड करने से बचना चाहिए, बल्कि जेनोसाइड के लिए प्रत्यक्ष और सार्वजनिक उकसावे को रोकना और दंडित करना भी चाहिए। इजरायल ने इसके विपरीत किया है।

जेनोसाइड के लिए उकसावा न केवल नियमित और सामान्यीकृत है इजरायली राजनीतिक प्रवचन में – यह **वरिष्ठ मंत्रियों**, **केनेसेट गठबंधन** के सदस्यों, **सैन्य अधिकारियों**, और प्रभावशाली **मीडिया हस्तियों** द्वारा खुलेआम प्रसारित किया जाता है, अक्सर धार्मिक या उन्मूलनवादी भाषा का उपयोग करके। यह संयोगजनक नहीं है। यह एक ऐसे राजनीतिक माहौल को दर्शाता है जहां **सामूहिक विनाश** के लिए कॉल न केवल सहन किए जाते हैं, बल्कि राजनीतिक उन्नति के लिए योग्यता के रूप में कार्य करते हैं।

नीचे दिए गए उद्धरण अलग-थलग विस्फोटों को नहीं दर्शाते, बल्कि उकसावे का एक सुसंगत, वैचारिक रूप से निहित **पैटर्न** दर्शाते हैं। इजरायल सरकार ने इन बयानों को दंडित करने या उनसे दूरी बनाने का कोई प्रयास नहीं किया – इसके विपरीत, कई उद्घृत व्यक्ति कैबिनेट पदों पर पदोन्नत किए गए, केनेसेट में फिर से चुने गए, या प्रमुख रक्षा पदों पर **नियुक्त** किए गए। **उकसावे** को रोकने या दंडित करने में यह प्रणालीगत विफलता, कन्वेशन के अनुच्छेद III(c) का उल्लंघन, केवल लापरवाही नहीं है: यह जेनोसाइड विचारधारा का संस्थागत अनुमोदन है।

“हम गरीब आबादी को सीमा पार करने की कोशिश करेंगे, उन्हें पारगमन देशों में रोजगार प्रदान करके, जबकि हमारे अपने देश में उन्हें कोई भी रोजगार देने से इनकार करेंगे।”

– थिओडोर हर्झल, 12 जून 1895, राजनीतिक ज्ञायनिज़म के संस्थापक, डायरी में लिखी गई प्रविष्टि

“हमें अरबों को निष्कासित करना होगा और उनकी जगह लेनी होगी... अगर हमें बल प्रयोग करना पड़े... हमारे पास बल उपलब्ध है। [फिलिस्तीनियों] का जबरन स्थानांतरण... हमें वह दे सकता है जो हमारे पास कभी नहीं था।”

– डेविड बेन-गुरियन, 5 अक्टूबर 1937, इजरायल के पहले प्रधान मंत्री, अपने बेटे को लिखा पत्र

“दोनों लोगों के लिए कोई जगह नहीं है... एक भी गांव, एक भी कबीला नहीं रहना चाहिए। अरबों को जाना होगा, लेकिन इसके लिए एक उपयुक्त क्षण की जरूरत है, जैसे युद्ध।”

– योसेर वीट्ज़, 20 दिसंबर 1940, यहूदी राष्ट्रीय कोष के भूमि विभाग के निदेशक, लिखित रिपोर्ट

“हमें उन्हें [फिलिस्तीनी गांवों] को मिटा देना चाहिए।”

– डेविड बेन-गुरियन, 1948, इजरायल के पहले प्रधान मंत्री, नकबा के दौरान सार्वजनिक भाषण

इजरायल ने **जेनोसाइड कन्वेशन** पर **17 दिसंबर 1949** को हस्ताक्षर किए और इसे **9 मार्च 1950** को अनुमोदित किया। कन्वेशन का अनुच्छेद III न केवल जेनोसाइड को बल्कि “जेनोसाइड करने के लिए प्रत्यक्ष और सार्वजनिक उकसावे” को भी दंडनीय अपराध बनाता है।

1977 में, इजरायल ने **दंड कानून (संशोधन संख्या 39)** लागू किया, जो अंतरराष्ट्रीय अपराधों को राष्ट्रीय कानून में एकीकृत करता है। **धारा 144B** और **144C** नस्लवाद और हिंसा के लिए उकसावे को अपराध बनाती हैं। सैद्धांतिक रूप से, जेनोसाइड के लिए उकसावा इस कानूनी ढांचे के अंतर्गत आता है।

“पूरी गाजा पट्टी पर कब्जा और सभी युद्धक बलों और उनके समर्थकों का विनाश। गाजा को ड्रेसडेन में बदल देना चाहिए... गाजा को अब नष्ट करो! गाजा के सभी निवासियों को नष्ट करना होगा।”

- मोशे फीगलिन, अगस्त 2014, पूर्व केनेसेट सदस्य और दक्षिणपंथी चरमपंथी नेता, प्रकाशित योजना और साक्षात्कार

“गाजा को जमीन से मिटा दो। बिना दया! इस बार दया के लिए कोई जगह नहीं है! गाजा को जमीन से मिटा देना चाहिए, और उनके द्वारा मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के लिए, एक हजार को मारो।”

- रेविटल गोटलिब, 7 अक्टूबर 2023, इजरायली केनेसेट सदस्य (लिकुड), X पर पोस्ट

“अब नकबा! एक नकबा जो 1948 की नकबा को ग्रहण कर ले। हम गाजा को खंडहरों में बदल देंगे।”

- एरियल कल्नर, 8 अक्टूबर 2023, इजरायली केनेसेट सदस्य (लिकुड), X पर पोस्ट

“मैंने गाजा पट्टी की पूर्ण धेराबंदी का आदेश दिया है। कोई बिजली नहीं होगी, कोई भोजन नहीं, कोई ईधन नहीं। सब कुछ बंद है। हम मानव पशुओं से लड़ रहे हैं और उसी के अनुसार कार्य करते हैं। मैंने सभी प्रतिबंध हटा दिए हैं... हम सब कुछ खत्म कर देंगे।”

- योआव गैलेंट, 9 अक्टूबर 2023, इजरायली रक्षा मंत्री, सार्वजनिक भाषण

“गाजा की पूरी नागरिक आबादी को तत्काल छोड़ने का आदेश दिया गया है। उन्हें एक बूंद पानी या एक बैटरी भी नहीं मिलेगी जब तक कि वे दुनिया छोड़ नहीं देते। कोई बिजली स्विच चालू नहीं होगा, कोई नल नहीं, कोई ईधन ट्रक नहीं।”

- इजरायल काट्ज़, 12 अक्टूबर 2023, इजरायली ऊर्जा मंत्री, X पर पोस्ट

“यह एक पूरा राष्ट्र है जो जिम्मेदार है। यह बयानबाजी कि नागरिक नहीं जानते, शामिल नहीं हैं, पूरी तरह से सही नहीं है। गाजा में कोई निर्दोष नहीं हैं।”

- इसहाक हर्जोग, 13 अक्टूबर 2023, इजरायल के राष्ट्रपति, प्रेस कॉन्फ्रेंस

“गाजा में प्रवेश करने वाली एकमात्र चीज वायु सेना से सैकड़ों टन विस्फोटक होनी चाहिए, एक ऑस मानवीय सहायता नहीं।”

- इतमार बेन-गवीर, 17 अक्टूबर 2023, इजरायली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री, X पर पोस्ट

“अब कयामत के हथियार का समय है। एक मोहल्ले को मिटाने का नहीं। गाजा को कुचल दो और रसातल में डाल दो। गाजा को अब जलाओ, इससे कम नहीं! भूख और प्यास के बिना, हम सहयोगी नहीं भर्ती करेंगे।”

- टैली गोटलिब, 10 अक्टूबर 2023, इजरायली केनेसेट सदस्य (लिकुड), X पर पोस्ट

“आपको याद रखना चाहिए कि अमालेक ने आपके साथ क्या किया, हमारा पवित्र बाइबल कहता है। हम गाजा को एक निर्जन द्वीप में बदल देंगे।”

- बेंजामिन नेतन्याहू, 28 अक्टूबर 2023, इजरायली प्रधान मंत्री, टेलीविजन भाषण

“गाजा को पृथ्वी के चेहरे से मिटा दो। हमें अमालेक की स्मृति मिटानी होगी।”

- गैलिट डिस्टल-एटबेरियन, 1 नवंबर 2023, पूर्व केनेसेट सदस्य और मंत्री (लिकुड), X पर पोस्ट

“हम अब गाजा की नकबा को लागू कर रहे हैं। गाजा में कोई निर्दोष नहीं हैं।”

- अवी डिक्टर, 11 नवंबर 2023, इजरायली कृषि मंत्री और पूर्व शिन बेट प्रमुख, टेलीविजन साक्षात्कार

“एक विकल्प गाजा पर परमाणु बम गिराना है। मैं इसके लिए प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं। गाजा में कोई गैर-जुड़ा हुआ नागरिक नहीं है। उत्तरी गाजा पहले से कहीं अधिक सुंदर है। सब कुछ उड़ा देना शानदार है।”

- अमीचाई एलियाहू, 5 नवंबर 2023, इजरायली विरासत मंत्री, रेडियो साक्षात्कार और X पर पोस्ट

“गाजा पट्टी में गंभीर महामारियां हमें जीत के करीब लाएंगी। गाजा एक ऐसी जगह बन जाएगी जहां कोई इंसान मौजूद नहीं रह सकता।”

- गियोरा ईलैंड, 19 नवंबर 2023, IDF के सेवानिवृत्त मेजर जनरल और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख, येदियोत अहरोनोत में प्रकाशित राय लेख

“मैं व्यक्तिगत रूप से गाजा के खंडहरों पर गर्व करता हूं, और यह कि हर बच्चा, यहां तक कि 80 साल बाद भी, अपने पोते-पोतियों को बताएगा कि यहूदियों ने क्या किया। हमें गाजा के लोगों के लिए ऐसे तरीके खोजने होंगे जो मृत्यु से भी अधिक दर्दनाक हों।”

- मई गोलन, 12 दिसंबर 2023, इजरायली सामाजिक समानता और महिला उन्नति मंत्री, केनेसेट में भाषण और कॉन्फ्रेंस में व्याख्यान

“गाजा को पृथ्वी के चेहरे से मिटा दो... गाजा को जलाना होगा। अब हम सभी का एक साझा लक्ष्य है - गाजा पट्टी को पृथ्वी के चेहरे से मिटाना।”

- निस्सिम वट्टूरी, 10 जनवरी 2024, केनेसेट के उपाध्यक्ष (लिकुड), रेडियो साक्षात्कार

जनवरी 2024 में, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ने कानूनी रूप से बाध्यकारी **अंतरिम उपाय** जारी किए, जिसमें जेनोसाइड के लिए उकसावे को रोकना और दंडित करना शामिल है।

“कोई आधा-अधूरा समाधान नहीं है... रफाह, देयर अल-बलाह, नुसीरात - पूर्ण विनाश। ‘आपको अमालेक की स्मृति को स्वर्ग के नीचे से मिटा देना चाहिए।’ 20 लाख लोगों को भूखा रखना उचित और नैतिक हो सकता है। गाजा पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा... वे तीसरे देशों में बड़ी संख्या में जाएंगे। गाजा में एक भी गेहूं का दाना नहीं जाएगा।”

- बेजालेल स्मोट्रिच, 29 अप्रैल 2024, इजरायली वित्त मंत्री, मिमौना आयोजन में सार्वजनिक भाषण

“आज हमने हौथियों पर अंधेरे की विपत्ति लाई... अगला - प्रथमजनों की विपत्ति।”

- इजरायल काट्ज़, 24 अगस्त 2025, इजरायली रक्षा मंत्री, X पर पोस्ट

प्रचार का ढांचा: सामान्यीकृत नफरत, प्रेरणा, और उन्मूलन विचारधारा

अंतरराष्ट्रीय कानून में, जेनोसाइड नीयत (डोलस स्पेशियलिस) को न केवल किए गए कार्यों के दायरे और व्यवस्थित प्रकृति से, बल्कि सहायक साक्ष्य जैसे प्रचार, विचारधारा, और उकसावे को रोकने या दंडित करने में विफलता से भी अनुमानित किया जा सकता है। यह सिद्धांत न्यायशास्त्र में अच्छी तरह से स्थापित है: अकायेसु (ICTR) के फैसले से, जिसने “नफरत भरे भाषणों के व्यापक प्रसार” को नीयत के साक्ष्य के रूप में उद्धृत किया, बोस्निया बनाम सर्बिया (ICJ) तक, जहां राज्य की बार-बार निष्क्रियता ने जेनोसाइड नीयत की खोज का समर्थन किया।

इजरायल में, ये सहायक साक्ष्य परिधीय नहीं हैं - वे केंद्रीय हैं। नारा “अरबों को मारो” कोई हाशिए का बयानबाजी नहीं है। यह एक व्यापक रूप से सहन किया गया और आधिकारिक रूप से समर्थित युद्ध नारा है, जो हर साल जेरूसलम में झांडा मार्च के दौरान दोहराया जाता है, एक आयोजन जो इजरायली पुलिस द्वारा अनुमोदित और संरक्षित है, और कब्जे वाले पूर्वी जेरूसलम में आयोजित होता है। निंदा से दूर, यह भाषण सार्वजनिक प्रवचन में सामान्यीकृत हो गया है - यह स्कूल के आंगनों, फुटबॉल स्टेडियमों, और राष्ट्रवादी समारोहों में गूंजता है।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि **ज्ञायनिज्म का वैचारिक ढांचा, जैसा कि यह इजरायली राज्य संस्थानों में संचालित होता है, सर्वोच्चतावादी मान्यताओं से भरा हुआ है:** कि फिलिस्तीनी एक जनसांख्यिकीय खतरा, एक अस्तित्वगत दुश्मन, या यहूदी संप्रभुता के लिए एक गैर-मानवीय बाधा है। यह वैचारिक ढांचा छिपा हुआ नहीं है - इसे खुले तौर पर पढ़ाया जाता है, सुदृढ़ किया जाता है, और हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। प्रमुख इजरायली अधिकारी नियमित रूप से फिलिस्तीनियों को “मानव पशु”, “अमालेक”, या “कीड़े” के रूप में संदर्भित करते हैं जिन्हें “खत्म” करना होगा। ये गलतियां नहीं हैं - ये जेनोसाइड हिंसा के लिए व्यवस्थित और स्वीकृत उकसावे हैं।

पूर्व ज्ञायोनी और इजरायली व्हिसलब्लोअर के कई गवाहियां बचपन से शुरू होने वाली प्रेरणा का वर्णन करती हैं, जहां फिलिस्तीनियों को पड़ोसियों या अधिकारों वाले इंसानों के रूप में चित्रित नहीं किया जाता, बल्कि खतरनाक आक्रमणकारियों के रूप में। IDF के पूर्व सैनिकों, शिक्षकों, और पूर्व राष्ट्रवादियों ने गवाही दी है कि वे भय, हकदारी, और अमानवीकरण

की संस्कृति में पले-बढ़े, उन्हें सिखाया गया कि IDF यहूदियों को विनाश से बचाने के लिए मौजूद है, और फिलिस्तीनियों के प्रति करुणा विश्वासघात का एक रूप है।

ब्रेकिंग द साइलेंस जैसे संगठन, साथ ही पत्रकार और पूर्व सैनिक, रिपोर्ट करते हैं कि सैन्य प्रशिक्षण इन विचारों को सुदृढ़ करता है - **फिलिस्तीनी जीवन को नष्ट करने योग्य के रूप में चित्रित करता है** और युद्ध अपराधों को वैध रणनीति के रूप में प्रस्तुत करता है। धार्मिक चित्रण का उपयोग ("अमालेक", "बाइबिल बदला", "प्रथमजनों की विपत्ति") इस विचारधारा को धार्मिक रूप से स्वीकृत विनाश के कथानक में और गहराई से स्थापित करता है।

यह सब अंतरराष्ट्रीय न्यायशास्त्र में स्थापित **जेनोसाइड नीयत** के लिए सहायक साक्ष्य के मानक को पूरा करता है, और संभवतः उससे अधिक है। जब प्रचार सर्वव्यापी है, विचारधारा संस्थागत है, और उकसावा न तो दंडित होता है और न ही प्रतिबंधित, यह जेनोसाइड की वैचारिक बुनियादी ढांचा बनाता है।

सभी साक्ष्य मानकों से परे: नीति की प्रत्यक्ष स्वीकारोक्ति के रूप में केनेसेट पत्र

31 दिसंबर 2024 का इजरायल के विदेशी और रक्षा समिति के सदस्यों का पत्र संभवतः जेनोसाइड नीयत को साबित करने वाला सबसे स्पष्ट और स्पष्ट राजनीतिक दस्तावेज़ है, जो नूनर्बार्ग ट्रायल्स और वान्सी सम्मेलन के बाद से किसी भी राज्य द्वारा निर्मित किया गया है। जहां पहले के जेनोसाइड्स में अभियोजकों को कूटबद्ध भाषा या अप्रत्यक्ष योजना से नीयत का अनुमान लगाना पड़ता था, यह पत्र कोई अस्पष्टता नहीं छोड़ता: यह खुले तौर पर मांग करता है कि IDF ऊर्जा, भोजन, और जल बुनियादी ढांचे को नष्ट करे, घातक घेराबंदी लागू करे, और हर उस व्यक्ति को खत्म करे जो सफेद झंडा नहीं दिखाता।

दिनांक: 31.12.2024

प्रति: रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़

विषय: गाजा पट्टी में परिचालन योजना

माननीय श्रीमान,

हम, विदेशी और रक्षा समिति के सदस्य, अब तक के गंभीर परिणामों और निरंतरता की संभावनाओं के प्रकाश में गाजा पट्टी में युद्ध के लिए परिचालन योजना पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करने के लिए आपको लिख रहे हैं। हम नीचे विस्तार से बताते हैं:

गाजा पट्टी में परिचालन गतिविधि, जैसा कि हमें विदेशी और रक्षा समिति में पिछले रक्षा मंत्री द्वारा 27.10.23 को जमीनी अभियान शुरू होने से पहले प्रस्तुत किया गया था और तब से मैदान में लागू किया गया है, राजनीतिक नेतृत्व द्वारा परिभाषित युद्ध के उद्देश्यों को प्राप्त करने की अनुमति नहीं देता: हमास की शासकीय और सैन्य क्षमताओं का पतन। ये उद्देश्य अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं, भले ही यह एक छोटा क्षेत्र है और दुश्मन के पास आधुनिक सेना के उपकरण या क्षमताएं नहीं हैं।

जैसा कि चीफ ऑफ स्टाफ ने सार्वजनिक रूप से कहा है, IDF लक्षित छापों के माध्यम से संचालित होता है - एक ऐसी विधि जिसमें इस प्रकार की गुरिल्ला युद्ध में केंद्रीय घटक की कमी है: नियंत्रण। क्षेत्र और आबादी पर प्रभावी नियंत्रण ही गाजा पट्टी से दुश्मन के गढ़ों को साफ करने, निर्णय और जीत हासिल करने का एकमात्र आधार है - और न कि ठहराव और घिसाव युद्ध के लिए, जिसमें मुख्य रूप से थकने वाला पक्ष इजरायल है। इसलिए हम अपने सैनिकों को बार-बार उन पड़ोसों और गलियों में भेजते हैं जो कई बार जीते जा चुके हैं, उन स्थानों पर जहां IDF का वरिष्ठ नेतृत्व ने घोषणा की थी कि हमास की बटालियनें भंग और नष्ट हो चुकी हैं और दुश्मन से साफ हो चुके हैं - लेकिन उन ही स्थानों पर हम खून से भयानक और असहनीय कीमत चुकाते हैं।

6.10.2024 से, गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से में, मफलसीम अक्ष के दक्षिण में, एक और अभियान शुरू हुआ, जिसमें आबादी का घेराव और दक्षिण की ओर निकासी शामिल थी। हम सभी ने आशा की थी कि यह उन

सैन्य कार्यों की शुरुआत को चिह्नित करेगा जो आवश्यक बदलाव लाएंगे, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इस कार्रवाई को ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। अर्थात्, घेराव और मानवीय निकासी के बाद, IDF बचे हुए लोगों को दुश्मन के रूप में नहीं मानता - जैसा कि अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी पश्चिमी सेनाओं में प्रथागत है - और फिर से हमारे सैनिकों के जीवन को घने और निर्मित क्षेत्रों में प्रवेश करके खतरे में डालता है।

घेराव और आबादी की निकासी के बाद, IDF के निर्देश स्पष्ट होने चाहिए:

1. सभी ऊर्जा स्रोतों का दूरस्थ विनाश - ईधन, सौर सुविधाएं, पाइपलाइन, केबल, जनरेटर, आदि।
2. सभी खाद्य स्रोतों का विनाश - गोदाम, पानी, पानी के पंप, और अन्य प्रासंगिक साधन।
3. क्षेत्र में घूमने वाले प्रत्येक व्यक्ति का दूरस्थ उन्मूलन, जो प्रभावी घेराबंदी के दिनों में सफेद झंडे के साथ प्रकट नहीं होता।

इन कार्यों और बचे हुए लोगों के घेराबंदी के दिनों के बाद, IDF को धीरे-धीरे प्रवेश करना चाहिए ताकि दुश्मन के गढ़ों की पूर्ण सफाई की जा सके। यह उत्तरी पट्टी में और उसी तरह हर अन्य क्षेत्र में किया जाना चाहिए: घेराव, आबादी की मानवीय क्षेत्र में निकासी, और आत्मसमर्पण या दुश्मन के पूर्ण उन्मूलन तक प्रभावी घेराबंदी। इस तरह हर सेना संचालित होती है, और इजरायल रक्षा बलों को भी ऐसा करना चाहिए।

विदेशी और रक्षा समिति में बार-बार सवालों और अनुरोधों के बावजूद, हमें समिति में IDF के प्रतिनिधियों से संतोषजनक जवाब नहीं मिले हैं कि वे आवश्यक रूप से क्यों नहीं कार्य करते, हमास की हार को युद्ध के "परिचालन अंतिम स्थिति" के रूप में क्यों परिभाषित किया गया है, और भविष्य की योजनाएं क्या हैं। इसलिए, हम इन सवालों के जवाब देने और IDF को निर्णय प्राप्त करने और हमारे सैनिकों के जीवन को बिना औचित्य के खतरे में डालना बंद करने के लिए उचित निर्देश जारी करने के लिए आपकी तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हैं।

प्रति:

- प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू - विदेशी और रक्षा समिति के अध्यक्ष MK युली एडेलस्टीन

हस्ताक्षरकर्ता:

* **अमित हलेवी**, लिकुड, MK, विदेशी और रक्षा समिति * **निस्सिम वट्टरी**, लिकुड, केनेसेट के उपाध्यक्ष, विदेशी और रक्षा समिति * **एरियल कल्नर**, लिकुड, MK, विदेशी और रक्षा समिति * **ओशर शेक्लिम**, धार्मिक ज़ायनिज़म, MK, विदेशी और रक्षा समिति * **ज़वी सुक्कोट**, धार्मिक ज़ायनिज़म, MK, विदेशी और रक्षा समिति * **ओहद ताल**, धार्मिक ज़ायनिज़म, MK, विदेशी और रक्षा समिति * **लिमोर सन हर-मेलेक**, यहूदी शक्ति, MK, विदेशी और रक्षा समिति * **अब्राहम बेजालेल**, यहूदी शक्ति, MK, विदेशी और रक्षा समिति

ये निर्देश केवल सामरिक नहीं हैं - ये नागरिक आबादी के जानबूझकर विनाश के लिए एक योजना का गठन करते हैं और इस तरह, **किसी भी मौजूदा अंतरराष्ट्रीय आपराधिक कानून मानक** के तहत जेनोसाइड नीयत को साबित करने की कानूनी सीमा को पार करते हैं। लेखक निम्न-स्तरीय अभिनेता या हाशिए के चरमपंथी नहीं हैं; वे चुने हुए विधायक हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा नीति निर्माण में भूमिका निभाते हैं। उनकी मांगें रूपकात्मक नहीं हैं - वे आबादी के उन्मूलन के लिए विशेष, क्रमिक तरीकों को रेखांकित करती हैं, जो स्पष्ट रूप से राज्य की रणनीति के रूप में तैयार की गई हैं।

नाज़ी अधिकारियों के विपरीत, जो अक्सर जेनोसाइड की योजना को संकेतों में छिपाते थे ("अंतिम समाधान"), यह पत्र स्पष्ट रूप से बोलता है। यह इजरायली सरकार की आधिकारिक मुहर के तहत लिखित रूप में नीयत, विधि, और औचित्य को रेखांकित करता है। इतिहास में किसी भी अदालत ने इससे स्पष्ट साक्ष्य की मांग नहीं की है।

ऐसे दस्तावेज का अस्तित्व विश्वसनीय इनकार की संभावना को समाप्त करता है। यह उस चीज को जो अन्यथा जेनोसाइड का परिस्थितिजन्य साक्ष्य माना जा सकता था, **नीतिगत स्तर पर योजना, निष्पादन, और विनाश** के कार्यों के लिए वैचारिक औचित्य के प्रत्यक्ष साक्ष्य में बदल देता है। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, इस पत्र को धूम्रपान बंदूक के रूप में माना जाना चाहिए - डोलस स्पेशियलिस की स्पष्ट स्वीकारोक्ति, जो सरकार के उच्चतम स्तरों पर अनुमोदित है।

निष्कर्षः संदेह से परे सिद्ध नीयत - केवल अवलोकन नहीं, बल्कि कार्रवाई की जिम्मेदारी

1948 के कन्वेंशन के अनुसार जेनोसाइड अपराध के लिए निषिद्ध कार्यों (एक्टस रियस) और संरक्षित समूह को पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट करने की नीयत (डोलस स्पेशियलिस) दोनों की आवश्यकता होती है। जैसा कि इस विश्लेषण ने दिखाया है, गाजा में इजरायल का व्यवहार पांच निषिद्ध कार्यों की सभी श्रेणियों को पूरा करता है, और फिलिस्तीनियों को “इस रूप में” नष्ट करने की इसकी नीयत न केवल इसके कार्यों के दायरे और लक्ष्यीकरण से अनुमानित है - यह इसके बयानबाजी में स्पष्ट, इसके संस्थानों में प्रणालीगत, और इसकी नीतियों में संहिताबद्ध है।

साक्ष्य - कानूनी, सांख्यिकीय, सैन्य, और वैचारिक - अंतरराष्ट्रीय “संदेह से परे” सीमा को पूरा करते हैं। गाजा में जो हो रहा है वह अस्पष्ट या सीमावर्ती मामला नहीं है। यह जेनोसाइड है।

जैसा कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने बोस्निया बनाम सर्बिया (2007) में पुष्टि की, सभी राज्यों को जेनोसाइड को रोकने की सकारात्मक कानूनी जिम्मेदारी है जैसे ही उन्हें गंभीर जोखिम की जानकारी होती है। यह जिम्मेदारी कूटनीतिक निंदा या आर्थिक प्रतिबंधों तक सीमित नहीं है। जबरदस्त साक्ष्य के सामने, राज्य उचित रूप से उपलब्ध सभी उपायों को लेने के लिए बाध्य हैं ताकि जेनोसाइड को रोका जा सके - जिसमें, यदि आवश्यक हो, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत जबरदस्ती उपाय शामिल हैं।

इसमें कम से कम निम्नलिखित शामिल हैं:

- गाजा के ऊपर उड़ान निषेध क्षेत्र लागू करना ताकि हवाई बमबारी रोकी जा सके;
- मानवीय गलियारों और सहायता वितरण को सुविधाजनक बनाना, जिसमें आवश्यक होने पर सैन्य एस्कॉर्ट भी शामिल है;
- अभियान में शामिल इजरायली अधिकारियों पर प्रतिबंध और अलगाव;
- अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत हथियार व्यापार दायित्वों के अनुसार इजरायल को सैन्य और आर्थिक सहायता का निलंबन;
- संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभियोजन का समर्थन।

इन उपायों को न लेना राज्यों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जिम्मेदारी के लिए उजागर करता है। जैसा कि बोस्निया बनाम सर्बिया में, एक राज्य जो जेनोसाइड को रोकने या दंडित करने में विफल रहता है, उसे ICJ द्वारा जिम्मेदार ठहराया जा सकता है और हर्जाना देने के लिए बाध्य किया जा सकता है। इसके अलावा, व्यक्ति - चाहे वे राज्य के प्रमुख हों, मंत्री हों, या सैन्य कमांडर - रोम संविधान के अनुच्छेद 25 और 28 के तहत सहायता, उकसावे, या कमांड जिम्मेदारी के लिए आपराधिक रूप से जिम्मेदार हो सकते हैं।

जेनोसाइड कोई निष्क्रिय घटना नहीं है। यह एक नीति है। और विश्व न केवल इजरायल को देख रहा है, बल्कि हर उस राज्य को जो इसे संभव बनाता है - कार्रवाई या निष्क्रियता के द्वारा। कानूनी मिसाल स्पष्ट है। संलिप्तता की राजनीतिक लागत बढ़ रही है। हस्तक्षेप का क्षण कल नहीं है। यह अब है।